भारतीय खाद्य निगम के आंकड़ों में पाई गई अनियमितताएं

558. डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 13 अप्रैल, 1993 के "इकोनामिक टाइम्स" में इनामलीज फाउंड इन एफ.सी.आई. शीर्षक के अंतर्गत प्रकाशित हुए समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि लेखापरीक्षकों ने भारतीय खाद्य निगम के वर्ष 1991-92 के लेखाओं के बारे में कुछ अनियमितताओं का उल्लेख किया है; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

खाद्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्प नाथ राय) : (क) जी, हां।

(ख) और (ग) भारतीय खाद्य निगम ने सूचित किया है कि लेखा परीक्षकों ने वर्ष 1991-92 के लिए निगम के लेखों पर समाचार पत्र में उल्लिखित टिप्पणी सहित टिप्पणियां की हैं। इन टिप्पणियों और इन टिप्पणियों पर निगम द्वारा दिए गए उत्तरों स्पष्टीकरणों को वर्ष 1991-92 के लिए निगम की वार्षिक रिपोर्ट में शामिल किया गया है। यह रिपोर्ट 26 फरवरी, 1993 को राज्य सभा के पटल पर रख दी गई थी।

(Rs. per qtl.)

	Wheat	Rice
Procurement incidentals	62.18*	24.96
Distribution cost	112.45	112.45
Carrying cost	92.52	92.52

*Exclusive of previous years adjust-mcn of Rs. 7/- per quintal.

@559. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of FOOD be pleased to state the handling charges for rice, wheat and sugar per unit distributed through public distribution system indicating the break up of the same

(Rs. per qtl.)

	Wheat	Ric
Procurement incidentals	62.18*	24.98
Distribution cost	112.45	112.45
Carrying cost	92.52	92.52

*Exclusive of previous years adjustment of Rs. 7/- per quintal.

THE MINISTER OF FOOD (SHRI KALP NATH RAI): Handling cost of Food Corporation of India relating to wheat and rice for 1992-93 (Provisional) is given below:

As for sugar, the distributios cost of Food Corporation of India for 1992-93 (Provisional) was Rs. 125.87 per quintal.

©Previously Unstarred Question 5, transferred from 26th April, 1993.

Procurement price of foodgrains

560. SHRI BISHAMBHAR NATH PANDE: Will the Minister of FOOD be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there hag been yearly rise in he procurement prices of food grains, which